तापमान
अधिकतम 23 डिग्री
न्यूनतम 21 डिग्री

हरिभूमि
वनांचल भूमि
रायपुर, बुधवार 28 अक्टूबर 2026

बस्तर | दंतेवाड़ा | बीजापुर | सुकमा | कांकेर | कोण्डागांव | नारायणपुर

9 विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार, चक्रवात से निपटने प्रशासन अलर्ट मोड पर



10 डोली और छत्र की विदाई के साथ दशहरा का समापन



खबर संक्षेप

राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष ने की राज परिवार से भेंट मुलाकात



जगदलपुर। बस्तर दशहरा के सबसे भावुक और अंतिम पड़ाव माता मावली की विदाई की पर राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा जगदलपुर पहुंचे। बस्तर राज परिवार के आमंत्रण पर पहुंचे उपाध्यक्ष ने माटी पुजारी कमलचंद भंजदेव से राजमहल में आत्मीय भेंट की। इस दौरान बस्तर की समृद्ध लोक-संस्कृति परंपराओं के संरक्षण तथा अंचल के विकास से जुड़े विभिन्न विषयों पर संवाद हुआ। बस्तर कलेक्टर रहते समय मावली माता की विदाई की ऐतिहासिक रस्म को व्यापक जन-भागीदारी, गरिमा और भव्यता प्रदान करने में उन्होंने अहम भूमिका निभाई थी।

प्राचार्य सौम्या पांडे सावित्री देवी पुरस्कार से सम्मानित

जगदलपुर। भारतीय दलित साहित्य अकादमी छत्तीसगढ़ की ओर से बस्तर वैली इंग्लिश मीडियम स्कूल की प्रिंसिपल सौम्या पांडे को उनके उत्कृष्ट कार्यों के लिए सावित्री देवी पुरस्कार से सम्मानित किया गया। वाल्मीकि जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में सम्मान हुआ।

मां दंतेश्वरी की विदाई में नाई समाज हुआ शामिल

जगदलपुर। दशहरा पर्व की आज अंतिम रस्म देवी दंतेश्वरी के डोली की विदाई में सर्व नाई समाज संघ के अध्यक्ष मनोज ठाकुर के नेतृत्व में समाज के पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने हनुमान मंदिर के समीप फूल-मालाओं से माता का स्वागत एवं पूजन किया। समाजजनों ने मां दंतेश्वरी से सुख-समृद्धि एवं खुशहाली की कामना की। इस अवसर पर संघ के सदस्य भास्कर राव, राजू राव, महेंद्र ठाकुर, शंभू ठाकुर, सरोज श्रीवास, कृष्ण राव, अनिल ठाकुर, गौरी शंकर श्रीवास, राजेश राजनु श्रीवास, शेखर ठाकुर, राम लखन ठाकुर ,प्रेमजीत ठाकुर, हरिवंश ठाकुर, चंदन ठाकुर, सतीश सविता, रामबाबू श्रीवास, राजा ठाकुर, बाबू साहब ठाकुर, लल्लन ठाकुर शामिल थे।

गोवर्धन पूजा पर स्थानीय अवकाश को परिवर्तित करने की मांग

जगदलपुर। कलेक्टर बस्तर के द्वारा अपने आदेश 11 फरवरी के तहत 9 नवंबर को सम्पूर्ण बस्तर जिले के लिए स्थानीय अवकाश घोषित किया गया है। छत्तीसगढ़ शासन सामान्य प्रशासन विभाग नवा रायपुर के आदेश 26 अक्टूबर के तहत गोवर्धन पूजा को सामान्य अवकाश घोषित कर दिया गया है। इसे लेकर छत्तीसगढ़ प्रदेश तृतीय वर्ग शासकीय कर्मचारी संघ के प्रदेश महामंत्री गजेंद्र श्रीवास्तव ने जिला बस्तर ने कलेक्टर बस्तर को पत्र लिखकर 9 नवम्बर गोवर्धन पूजा के स्थानीय अवकाश को परिवर्तित कर 20 नवम्बर को तुलसी विवाह पर्व की स्थानीय अवकाश घोषित करने की मांग की है।

बस्तर में चक्रवात का व्यापक असर, जिले के स्कूलों में आज अवकाश

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

अर्बन चक्रवात का बस्तर संभाग में व्यापक असर मंगलवार सुबह से ही दिखने लगा। सुबह से ही तेज हवाएं शुरू हो गई जिससे शीतलहर जैसी स्थिति रही वहीं दिनभर बदली जैसा मौसम रहा। शाम को 4 बजे के बाद कई क्षेत्रों में बूंदाबांदी और कहीं कहीं झमाझम बारिश हुई। जगदलपुर शहर समेत ओड़िसा सीमाई क्षेत्र नगरनार में शाम को बारिश हुई वहीं कोण्टा संवाददाता ने बताया कि आंध्र और तेलंगाना क्षेत्र लगा होने से कोण्टा में शाम से बारिश होती रही। पहले से ही बस्तर में चक्रवात के चलते बारिश और तेज हवाएं चलने की घोषणा किए जाने से लोग अलर्ट रहे वहीं प्रशासन ने भी लोगों से विशेषकर नदी क्षेत्र के किनारे रहने वालों को सावधान रहने की ताकिद की थी। इसलिए कोटवार द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी की गई।

बस्तर जिले के स्कूलों में आज अवकाश : बंगाल की खाड़ी में सक्रिय हो रहे चक्रवाती तूफान और उसके प्रभाव से होने वाली भारी बारिश की संभावना को देखते हुए बस्तर जिला प्रशासन ने बच्चों की सेहत एवं सुरक्षा हेतु सतर्कतापूर्ण निर्णय लिया है। खराब मौसम के चलते छात्र-छात्राओं को विद्यालय आने-जाने में होने वाली संभावित परेशानियों और उनकी सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए जिले के सभी स्कूलों में 28 अक्टूबर को एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है। वहीं कोण्टा संवाददाता ने सुकमा जिले में बुधवार को स्कूलों मे अवकाश घोषित करने की बात कही है। मिली जानकारी के मुताबिक मंगलवार 27 अक्टूबर को दंतेवाड़ा, कोंडागांव और नारायणपुर जिले में स्कूलों में छुट्टी घोषित की गई थी।

खास बातें
- शाम को कहीं बूंदाबांदी तो कहीं झमाझम बारिश
- आंध्र, ओड़िसा सीमाई क्षेत्र के कोण्टा, नगरनार और बकावंड व जगदलपुर ब्लॉक के कुछ क्षेत्र में शाम को हुई बारिश





रथ निर्माण के कारीगरों को हटाया नहीं, बल्कि उनके ठहरने के लिए व्यवस्था की

बस्तर दशहरा को सफल बनाने सभी समाजों और परगनाओं का रहा अहम योगदान

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

विश्व प्रसिद्ध बस्तर दशहरा इस वर्ष भी 75 दिनों तक पारंपरिक अनुष्ठानों, धार्मिक आस्था और जनसहभागिता के साथ सफलतापूर्वक संपन्न हो गया। यह पर्व केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि बस्तर की अटूट आस्था, समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और देवी आराधना का प्रतीक है। सभी समाजों, परगनाओं और सहयोगियों के सामूहिक प्रयास से पर्व को सफलतापूर्वक संपन्न कराया गया। यह बात मंगलवार को पुराना तहसील कार्यालय परिसर में आयोजित पत्रवार्ता में बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष एवं सांसद महेश कश्यप ने कही।

- हादसे में मृतक के परिजनों को निजी सहायता, घायल को मिलेगी संविदा नौकरी

दशहरा के दौरान सोशल मीडिया पर जोगी बिठाई, जोगी उठाई और काछन देवी से जुड़ी रस्मों को लेकर वायरल हुए वीडियो और उठे सवालों पर सांसद ने स्पष्ट किया कि सभी धार्मिक रस्में पूरी तरह विधि-विधान और परंपराओं के अनुरूप संपन्न हुई हैं।



40 वर्षों से पर्व में अपनी सेवाएं दे रहे

पत्रवार्ता में बस्तर दशहरा समिति के उपाध्यक्ष बलराम मांझी ने बताया कि दशहरा में अलग-अलग परगनाओं की विशिष्ट भूमिका होती है। कई समाज लगभग 40 वर्षों से लगातार इस पर्व में अपनी सेवाएं देते आ रहे हैं। उन्होंने महामहिम राष्ट्रपति के बस्तर प्रवास को ऐतिहासिक गौरव का क्षण बताते हुए कहा कि राष्ट्रपति के समक्ष रखी गई मांगों को स्वीकार किए जाने से सभी में प्रसन्नता है।

उन्होंने रथ निर्माण में लगे कारीगरों को भगाए जाने की चचार्ओं को भी गलत बताते हुए कहा कि कारीगरों को हटाया नहीं गया था, बल्कि उनके ठहरने के लिए दूसरी उचित जगह पर व्यवस्था की गई थी। रथ संचालन के दौरान हुए हादसे पर संवेदना व्यक्त करते हुए महेश कश्यप ने बताया कि उन्होंने व्यक्तिगत तौर पर मृतक के परिवार को आर्थिक सहायता प्रदान की है। पीड़ित परिवार को आगे भी हरसंभव मदद दी जाएगी। वहीं हादसे में घायल व्यक्ति को जल्द ही संविदा नौकरी उपलब्ध कराई जाएगी।

उन्होंने कहा कि आगामी वर्षों में बस्तर दशहरा की प्रत्येक रस्म में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले समाजों के हितों और सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए व्यवस्थाओं को और बेहतर बनाया जाएगा। विपक्षी दलों और पर्व को लेकर बयानबाजी करने वालों पर निशाना साधते हुए सांसद ने कहा कि कुछ लोग इस दौरान आपदा में अवसर तलाशने का काम कर रहे हैं। बस्तर दशहरा की परंपराओं और आस्था को राजनीतिक विवाद का विषय बनाने के बजाय इसकी गरिमा और सांस्कृतिक विरासत को बनाए रखने के लिए सभी को सहयोग करना चाहिए।

तीन मांगों को लेकर बीआरएम युवा मोर्चा का प्रदर्शन, आधे घंटे तक किया चक्काजाम



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोंटा

किसानों और ग्रामीणों की समस्याओं को लेकर मंगलवार, को बस्तरिया राज युवा मोर्चा के नेतृत्व में कोंटा बस स्टैंड परिसर में धरना प्रदर्शन किया गया। इस दौरान मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने अपनी मांगों के समर्थन में नारेबाजी करते हुए करीब आधे घंटे तक चक्काजाम किया। मोर्चा का कहना है कि इससे पहले 7 सितंबर को भी जिला स्तरीय महाधरना प्रदर्शन किया गया था, लेकिन अब तक मांगों पर कोई ठोस कार्रवाई नहीं होने से ग्रामीणों में नाराजगी है। आंदोलन के दौरान मोर्चा ने तीन प्रमुख मांगें रखीं। पहली कोंटा ब्लॉक को सूखाग्रस्त घोषित कर किसानों को उचित राहत देने के साथ कृषि कर्ज माफ किया जाए। दूसरी पात्र ग्रामीणों को वन अधिकार पट्टा प्रदान कर उनके अधिकार सुनिश्चित किए जाएं। तीसरी पोलावरम परियोजना से प्रभावित होने की आशंका वाले कोंटा ब्लॉक के गांवों और कोंटा नगर को डूबान से बचाने के लिए ठोस कदम उठाए जाएं। साथ ही प्रभावित क्षेत्रों का सर्वे कर सरकार अपना रुख स्पष्ट करे। प्रदर्शन के दौरान प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर प्रदर्शनकारियों से चर्चा की। इसके बाद मोर्चा की ओर से प्रशासन को ज्ञापन सौंपा गया और चक्काजाम समाप्त किया गया।

- बस्तरिया राज युवा मोर्चा ने एक दिवसीय धरना प्रदर्शन कर आधे घंटे तक राज मार्ग किया बंद

क्षेत्र के लोगों के जीवन और भविष्य से जुड़े मुद्दों पर मांग

बस्तरिया राज युवा मोर्चा ने सरकार और प्रशासन से किसानों एवं ग्रामीणों की समस्याओं को गंभीरता से लेते हुए जल्द उचित कार्रवाई करने की मांग की। मोर्चा ने कहा कि सूखा राहत, वन अधिकार पट्टा और पोलावरम परियोजना से संभावित डूबान जैसे मुद्दे क्षेत्र के लोगों के जीवन और भविष्य से जुड़े हैं, इसलिए इन पर स्पष्ट निर्णय लिया जाना चाहिए। प्रदर्शन में बस्तरिया राज मोर्चा के ब्लॉक अध्यक्ष सोढ़ी कोसा, माड़वी हिड़मा, राजेश नाग, इरफान खान, रमणा राव, मुचाकी बुधरा, कवासी राजू, सरपंच सरीयम सन्ना सहित मोर्चा के कार्यकर्ता एवं ग्रामीण मौजूद थे।

जनता से जुड़ें और ज़मीनी स्तर पर कार्यक्रमों का कुशल क्रियान्वयन करें

जगदलपुर। भाजपा ने संगठन को बूथ स्तर तक सशक्त और मजबूत करने की कवायद शुरू कर दी है। मंगलवार को जिला कार्यालय में जिले के सभी 13 मण्डलों के पदाधिकारियों एवं जिले के पंचायत व नगरीय निकाय के जनप्रतिनिधियों की अलग-अलग बैठकें आयोजित की गई। इसमें गंभीरता से बूथ स्तर तक संगठन को सशक्त बनाने व सक्रियता से कार्य करने कहा गया। जिला अध्यक्ष वेदप्रकाश पाण्डेय ने कहा कि संगठन को सशक्त बनाने और जनता से सीधे जुड़ने के लिये सभी कार्यकर्ता सक्रियता से कार्य करें। बूथ स्तर तक संगठन की गतिविधियों को योजनाबद्ध रूप से बढ़ाना है और पार्टी के कार्यक्रमों को जमीनी स्तर पर क्रियान्वित करना है। जनता से जुड़ाव और उनकी बुनियादी व्यवस्थाओं से जुड़ी समस्याओं के निदान का प्रमुखता से प्रयास हो। उन्होंने कहा कि प्रत्येक कार्यकर्ता



राष्ट्र सेवा व जन सेवा में सदैव अग्रणी रहता है, समस्त कार्यकर्ताओं का समवेत प्रयास आवश्यक है। संचालन जिला महामंत्री परीस राम बेसरा ने किया। बैठक में जिपं अध्यक्ष वेदवती कश्यप कश्यप, उपाध्यक्ष बलदेव मण्डावी, महापौर संजय पाण्डेय, निगम अध्यक्ष खेमसिंह देवांगन, जिला महामंत्री रजनीश पाणिग्रही, जिला उपाध्यक्ष आर्येंद्र सिंह आर्य, नरसिंह राव, लखीधर बघेल, ललिता बघेल, सफीरा साहू, रामकुमारी यादव, प्रदीप देवांगन, फूल सिंह सेठिया, सुब्रतो विश्वास, किरण सेन आदि शामिल हुए।

ओडिशा से मक्का की अवैध खेप लेकर पहुंचा वाहन को मंडी टीम ने पकड़ा

जगदलपुर। कृषि उपज मंडी समिति कोंडागांव के निरीक्षण दल ने शनिवार सुबह अवैध कृषि उपज परिवहन के खिलाफ कार्रवाई करते हुए 108 क्विंटल मक्का जब्त किया। कोंडागांव-उमरकोट मार्ग पर ग्राम एरला स्थित वनोपज जांच नाका के पास सुबह लगभग 7 बजे जांच के दौरान वाहन क्रमांक सीजी 04 जेडी 2010 को रोका गया। जांच में वाहन में अधिसूचित कृषि उपज मक्का के 180 पैकेट मिले, जिनका कुल वजन 108 क्विंटल था। प्रारंभिक जांच में मक्का का परिवहन ओडिशा प्रांत की ओर से अवैध रूप से किया जाना पाया गया। निरीक्षण दल ने मंडी अधिनियम के प्रावधानों के तहत तत्काल जब्ती प्रकरण तैयार कर नियमानुसार कार्रवाई की। मामले में मंडी अधिनियम की धारा 19(4) के तहत मंडी शुल्क, निराश्रित शुल्क, कृषक कल्याण शुल्क एवं समझौता शुल्क सहित 30374 रुपए की वसूली की गई।

अवैध परिवहन पर निगरानी : राज्य कृषि विपणन (मंडी) बोर्ड बस्तर संभाग के संयुक्त संचालक सुरेश कुमार सिंह ने बताया कि इस मामले में सीमावर्ती राज्य ओडिशा के बेनोरा निवासी वाहन चालक नीलरतन मजूमदार के विरुद्ध प्रकरण बनाया गया। मंडी निरीक्षण दल की इस कार्रवाई से सीमावर्ती क्षेत्रों में कृषि उपज के अवैध परिवहन पर निगरानी और सख्ती का संदेश गया है।

बाढ़ ने उजाड़ी आसना उद्यान रोपणी की नर्सरी

जगदलपुर। विगत दिनों हुई भारी बारिश और बाढ़ के कारण शासकीय उद्यान रोपणी आसना (डोंगाघाट) में हुए नुकसान का जायजा लेने सोमवार को उद्यानिकी विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों ने निरीक्षण किया। संचालक उद्यानिकी लोकेश चंद्राकर एवं प्रभारी संयुक्त संचालक उद्यानिकी रायपुर नीरज शाह ने रोपणी पहुंचकर बाढ़ एवं जलभराव से प्रभावित विभिन्न इकाइयों और वहां मौजूद पौधों की स्थिति का अवलोकन किया। इस दौरान सीडलिंग यूनिट को हुए नुकसान के साथ नर्सरी के पौधों एवं अन्य संरचनाओं को पहुंची क्षति का भी बारीकी से निरीक्षण किया गया। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने पाया कि विगत दिनों आई बाढ़ और जलभराव के कारण रोपणी की सीडलिंग यूनिट सहित अन्य व्यवस्थाएं प्रभावित हुई हैं। इसके चलते पौध उत्पादन एवं नर्सरी की नियमित गतिविधियों पर भी असर पड़ने की आशंका है। संचालक श्री चंद्राकर ने क्षतिग्रस्त इकाइयों और संरचनाओं को दोबारा व्यवस्थित करने के लिए आवश्यक सुधार कार्यों का प्रस्ताव तैयार करने के निर्देश दिए।

- सीडलिंग यूनिट, पौधों और अन्य संरचनाओं को हुए नुकसान का लिया जायजा



व्यवस्था को बेहतर करने के दिए सुझाव

संचालक ने नर्सरी को अधिक उपयोगी एवं आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनाने के लिए उत्पादन, पौधों की उपलब्धता और बिक्री व्यवस्था को बेहतर करने के सुझाव भी दिए। उन्होंने कहा कि उपलब्ध संसाधनों का बेहतर उपयोग करते हुए नर्सरी की गतिविधियों को व्यवस्थित और परिणामोन्मुख बनाया जाए। निरीक्षण के दौरान उप संचालक उद्यान जगदलपुर आकांक्षा सिन्हा, संयुक्त संचालक उद्यान कांकेर मीना भंडारी, संयुक्त संचालक उद्यान बीजापुर श्री राव, उद्यान विकास अधिकारी करुणा कश्यप, उद्यान अधीक्षक आरएस रामपुरे सहित रोपणी के अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

इंद्रावती टाइगर रिजर्व में चारागाहों को संवारने की कवायद

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

वन्यजीवों के प्राकृतिक आवास को बेहतर बनाने और उनके लिए पर्याप्त खाद्य संसाधन उपलब्ध कराने के उद्देश्य से इंद्रावती टाइगर रिजर्व बीजापुर में चारागाह प्रबंधन एवं मैदानी प्रशिक्षण पर दो दिवसीय कार्यशाला आयोजित की गई। कार्यशाला में घासभूमियों के संरक्षण, देशी घास प्रजातियों के संवर्धन और वैज्ञानिक तरीके से चारागाह विकसित करने के तकनीकी पहलुओं पर अधिकारियों एवं मैदानी कर्मचारियों को प्रशिक्षण दिया गया। यह कार्यक्रम मुख्य वन संरक्षक (वन्यजीव) जगदलपुर उत्तम कुमार गुप्ता के निर्देशानुसार तथा इंद्रावती टाइगर रिजर्व के उपनिदेशक सुमेध संजय सुरवाडे के मार्गदर्शन में आयोजित किया गया। इसमें चारागाह प्रबंधन विशेषज्ञ डॉ. जीडी मुरतकर ने प्रशिक्षण प्रदान किया। उन्होंने प्रस्तुतीकरण के माध्यम से घासभूमियों के विकास, संरक्षण और प्रबंधन की बारीकियों से प्रतिभागियों को अवगत कराया। कार्यशाला में बहुवर्षीय एवं वार्षिक खाद्य घास प्रजातियों, जंगली फलीदार वनस्पतियों और खाद्य झाड़ियों के चयन, जैवभार प्रबंधन,

- पांच से सात साल की कार्ययोजना तैयार करने पर हुई चर्चा



निरीक्षण पथ एवं अग्नि रेखा निर्माण तथा नियमित निगरानी की जानकारी दी गई। इसके साथ ही चारागाह विकास रजिस्टर, पांच से सात वर्ष की कार्ययोजना, बजट अनुमान और ऑपरेशन कैलेंडर तैयार करने की प्रक्रिया समझाई गई। देशी घासों के बीज संग्रहण की मानक संचालन प्रक्रिया पर भी विस्तार से चर्चा हुई। विशेषज्ञ ने चारागाह विकास में स्थानीय एवं देशी घास प्रजातियों को प्राथमिकता देने की सलाह दी। उन्होंने कहा कि विदेशी प्रजातियों के रोपण से प्राकृतिक वनस्पतियों और पारिस्थितिक संतुलन पर प्रतिकूल प्रभाव पड़ सकता है। इसलिए स्थानीय परिस्थितियों के अनुकूल वनस्पतियों का संरक्षण जरूरी है।

वनस्पतियों की पहचान व उपयोगिता बताई

प्रशिक्षण के दौरान इंद्रावती टाइगर रिजर्व की घासभूमियों में काष्ठीय प्रजातियों एवं खरपतवारों का बढ़ता अतिक्रमण, घासभूमियों का सीमित विस्तार, वन्यजीवों के लिए उपयोगी घासों की कमी और मृदा अपरदन जैसी समस्याएं सामने आईं। इनके समाधान के लिए खरपतवारों को फल एवं बीज बनने से पहले हटाने, घास के बीजों का संवर्धन करने और काष्ठीय प्रजातियों का उचित प्रबंधन करने पर जोर दिया गया। बन तुवर एवं बन झुंझुना जैसी जंगली फलीदार वनस्पतियों की पहचान और उपयोगिता भी बताई गई।



खबर संक्षेप

बस्तर ओलम्पिक में खिलाड़ियों की भागीदारी बढ़ाने आज सुबह निकलेगी विशाल रैली

कोण्डागांव। बस्तर ओलम्पिक 3.0 में अंचल के अधिक से अधिक खिलाड़ियों की भागीदारी सुनिश्चित करने के उद्देश्य से जिला प्रशासन द्वारा व्यापक तैयारियां की जा रही हैं। इसी क्रम में बुधवार को सुबह विशाल जागरूकता रैली निकाली जाएगी। रैली के माध्यम से स्थानीय युवाओं और आम नागरिकों को बस्तर ओलम्पिक में भाग लेने तथा अधिक से अधिक संख्या में पंजीयन कराने के लिए प्रेरित किया जाएगा। जागरूकता रैली का शुभारंभ सुबह 6 बजे विकासनगर स्टेडियम से होगा। रैली यहां से पुलिस ग्राउंड की ओर प्रस्थान करेगी। इसके बाद सुबह 6.30 बजे पुलिस लाइन ग्राउंड में अभियान का समापन किया जाएगा। इस जागरूकता अभियान का मुख्य उद्देश्य जिले के युवाओं और स्थानीय खिलाड़ियों को बस्तर ओलम्पिक 2026 से जोड़ना है। रैली के माध्यम से युवाओं को अपनी खेल प्रतिभा प्रदर्शित करने के लिए इस आयोजन में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

पंचायत सचिव भर्ती के लिए आवेदन की तिथि 3 नवंबर तक बढ़ी

कोण्डागांव। पंचायत सचिव पद पर भर्ती के लिए आवेदन करने वाले अभ्यर्थियों को जिला पंचायत कोण्डागांव ने राहत दी है। कार्यालय जिला पंचायत द्वारा आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि 27 अक्टूबर से बढ़ाकर 3 नवंबर कर दी गई है। अब जिले के पात्र स्थानीय मूलनिवासी अभ्यर्थी 3 नवंबर को शाम 5 बजे तक स्पीड पोस्ट अथवा रजिस्टर्ड डाक के माध्यम से आवेदन भेज सकेंगे। जिला पंचायत कोण्डागांव द्वारा ग्राम पंचायत सचिव पद पर नियुक्ति के लिए 7 अक्टूबर को विज्ञापन जारी किया गया था। इसके अंतर्गत जिले के स्थानीय मूलनिवासियों से 7 से 27 अक्टूबर तक आवेदन आमंत्रित किए गए थे। अब आवेदन प्राप्त करने की अंतिम तिथि में संशोधन कर इसे 3 नवंबर कर दिया गया है।

फरसगांव थाना की कमान अब आलोक साहू के हाथ, चंद्रशेखर श्रीवास को दी गई विदाई



फरसगांव। कोंडागांव जिले के पुलिस विभाग में प्रशासनिक फेरबदल के तहत निरीक्षक आलोक साहू को फरसगांव थाना प्रभारी की जिम्मेदारी सौंपी गई है। नवनियुक्त थाना प्रभारी आलोक साहू ने सोमवार शाम करीब 7 बजे फरसगांव थाने पदभार ग्रहण किया। इस अवसर पर थाना स्टाफ ने पुष्पगुच्छ भेंटकर उनका स्वागत किया और नई जिम्मेदारी के लिए शुभकामनाएं दीं। वहीं निवर्तमान थाना प्रभारी चंद्रशेखर श्रीवास को शाल-श्रीफल भेंटकर भावभीनी विदाई दी गई। आलोक साहू इससे पहले नक्सल सेल में अपनी सेवाएं दे रहे थे। अब फरसगांव थाना प्रभारी के रूप में उनसे क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनाए रखने, अपराधों पर प्रभावी अंकुश लगाने और आम नागरिकों की समस्याओं का त्वरित निराकरण करने की अपेक्षा है।

प्ररूप-(तीन)

:: शपथ-पत्र ::

मैं सुक्कू पिता लालू (SUKKU S/O LALU) (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) उम्र 20 वर्ष, जाति अबुझमाड़िया, निवासी ग्राम गुमियाबेड़ा पोस्ट तहसील ओरछा जिला नारायणपुर (छ.ग.) एतद्वारा पूर्णतः पुष्टि करता हूँ तथा निम्नानुसार घोषित करता हूँ:-

1. मैं ग्राम गुमियाबेड़ा पोस्ट तहसील ओरछा जिला नारायणपुर (छ.ग.) का निवासी हूँ।
2. मेरा पुराना नाम सुक्कू पिता लालू (SUKKU S/O LALU) है और मैं अपना नाम बदलकर पांडु राम उसेंडी पिता लालू राम (PANDU RAM USENDI S/O LALU RAM) (नया नाम) करवाना चाहता हूँ। जो मेरे जन्म प्रमाण पत्र में अंकित है।
3. मेरे पुराने नाम से किसी भी न्यायालय में कोई प्रकरण लंबित नहीं है और न ही किसी बैंक में ऋण की राशि शेष है।
4. मैं नाम बदलकर, यदि कोई, गैर कानूनी काम करता हूँ तो उसके लिए मैं पूर्णतः स्वयं जिम्मेदार रहूँगा।
5. मैं यह शपथ पत्र अपने पूरे होशोहवास में रहकर हस्ताक्षर कर रहा हूँ तथा सक्षम प्राधिकारी के समक्ष प्रस्तुत कर रहा हूँ।

शपथकर्ता

सत्यापन

मैं शपथकर्ता पांडु राम उसेंडी पिता लालू राम सत्यापित करता हूँ कि उपरोक्त शपथ पत्र की कंडिका 01 से 05 तक की समस्त जानकारी मेरे स्वयं के ज्ञान से सत्य एवं सही है। आज दिनांक 26/10/2026 को स्थान नारायणपुर में अपना हस्ताक्षर/अंगूठा निशान कर सत्यापित किया।

पाण्डु राम
सत्यापनकर्ता

छह स्कूलों में लगा विधिक जागरूकता शिविर

कोण्डागांव। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण कोण्डागांव द्वारा संचालित सुरक्षित बचपन अभियान के दूसरे दिन जिले के छह विद्यालयों में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित किए गए। शिविरों में न्यायिक अधिकारियों ने विद्यार्थियों को उनके कानूनी अधिकारों, बाल संरक्षण, सुरक्षा और शोषण से बचाव के संबंध में महत्वपूर्ण जानकारी दी। साथ ही बच्चों को किसी भी प्रकार की परेशानी या असुरक्षित परिस्थिति में बिना भय के अपनी बात रखने और समय पर सहायता प्राप्त करने के लिए प्रेरित किया गया।

स्वामी आत्मानंद उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, जामकोटपारा में प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष खिलावन राम रिगरी ने विद्यार्थियों को



संबोधित किया। उन्होंने कहा कि बच्चे देश का भविष्य हैं और प्रत्येक बच्चे को भयमुक्त, सुरक्षित एवं सम्मानजनक वातावरण में शिक्षा प्राप्त करने का अधिकार है।

कोंडागांव में 24 से 28 दिसंबर तक विराट पुस्तक मेला

कोण्डागांव। युग निर्माण योजना, मथुरा के तत्वावधान में गायत्री परिवार द्वारा विचारक्रांति अभियान के अंतर्गत कोंडागांव में पांच दिवसीय विराट पुस्तक मेले का आयोजन किया जाएगा। यह मेला 24 दिसंबर से 28 दिसंबर तक आयोजित होगा। आयोजन के माध्यम से क्षेत्रवासियों को जीवनोपयोगी साहित्य उपलब्ध कराने और सकारात्मक विचारों के प्रसार का प्रयास किया जाएगा। मेले की तैयारियों को लेकर 25 जनवरी को चिखलपुटी आश्रम, कोंडागांव में जिला स्तरीय गोष्ठी आयोजित



की गई थी। इसमें जिला समन्वय समिति कोंडागांव ने सर्वसम्मति से मेले के सफल संचालन के लिए विभिन्न समितियों का गठन किया। आयोजन में कोंडागांव सहित बड़ेराजपुर, माकड़ी, केशकाल और फरसगांव विकासखंड सहयोग करेंगे। जिला समन्वय समिति ने पुस्तक मेले की व्यवस्थाओं को सुचारु रूप से संचालित करने के लिए अलग-अलग जिम्मेदारियां निर्धारित की हैं। गठित समितियों में संयोजक, सुरक्षा, स्वागत, मंच व्यवस्था, फूल व्यवस्था, मीडिया और पुस्तक स्टोर व्यवस्था प्रमुख हैं। संयोजक समिति में कवल सिंह पांडे, भान सिंह नेताम, रूप सिंह सलाम, सी. आर. मरकाम और रघुनाथ चौधरी को शामिल किया गया है।

धान खरीदी और राज्योत्सव की तैयारियां समय पर करें पूरी : कलेक्टर

चक्रवात अर्नब को लेकर प्रशासन अलर्ट मोड में, स्थितियों पर नजर रखेंगे अधिकारी

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने मंगलवार को जिला कार्यालय के सभाकक्ष में आयोजित साप्ताहिक समय-सीमा की बैठक में आगामी धान खरीदी, राज्योत्सव की तैयारियों, आपदा प्रबंधन तथा शासन की विभिन्न योजनाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को सभी आवश्यक तैयारियां निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करने के निर्देश दिए। साथ ही संभावित चक्रवात अर्नब के मद्देनजर सभी विभागों को सतर्क रहने और किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने को कहा।

कलेक्टर ने संभावित चक्रवात अर्नब के प्रभाव को देखते हुए सभी संबंधित विभागों को अलर्ट मोड में रहने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि आपदा की स्थिति में आम नागरिकों को समय पर सहायता उपलब्ध कराने के लिए विभागीय अमला पूरी तरह तैयार रहे। किसी भी आपात परिस्थिति में त्वरित कार्रवाई और विभागों के बीच बेहतर समन्वय सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग एवं पशु चिकित्सा विभाग के अधिकारियों को आवश्यक तैयारियां रखने के निर्देश दिए। उन्होंने सभी स्वास्थ्य केंद्रों और एंबुलेंस को अलर्ट मोड में रखने तथा जरूरत पड़ने पर तत्काल सहायता उपलब्ध कराने को कहा। वहीं लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी विभाग को पेयजल स्रोतों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

चक्रवात की आशंका को देखते हुए कलेक्टर ने ग्रामीण क्षेत्रों में मुनादी के माध्यम से लोगों तक आवश्यक जानकारी पहुंचाने के निर्देश दिए। उन्होंने मैदानी अमले और संचार तंत्र को सक्रिय रखने तथा किसी भी संभावित आपदा की स्थिति में तत्काल आवश्यक कदम उठाने पर जोर दिया।

धान खरीदी केंद्रों में समय पर पूरी करें व्यवस्थाएं – आगामी धान खरीदी की तैयारियों की समीक्षा करते हुए कलेक्टर ने जिले के सभी धान उपार्जन केंद्रों में आवश्यक व्यवस्थाएं समय पर पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि खरीदी प्रक्रिया सुचारू, पारदर्शी एवं व्यवस्थित तरीके से संपन्न हो, इसके लिए संबंधित अधिकारी सभी तैयारियों की नियमित समीक्षा करें।

कोण्डागांव जिले के सभी स्कूलों में आज अवकाश घोषित

कोण्डागांव। बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान एवं अतिवृष्टि की आशंका को देखते हुए कोण्डागांव जिले के सभी शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों में 28 अक्टूबर को एक दिवसीय अवकाश घोषित किया है। विद्यार्थियों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना ने इस संबंध में आदेश जारी किया है। कलेक्टर द्वारा जारी आदेश के अनुसार जिले के सभी शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल तथा हायर सेकेंडरी विद्यालयों में बुधवार को विद्यार्थियों के लिए अवकाश रहेगा।



केशकाल में आज बंद रहेंगे स्कूल

केशकाल। बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान और भारी बारिश की आशंका को देखते हुए विद्यार्थियों की सुरक्षा के मद्देनजर कोण्डागांव जिला प्रशासन ने 28 अक्टूबर बुधवार को जिले के सभी विद्यालयों में एक दिन का अवकाश घोषित किया है। कलेक्टर कार्यालय, शिक्षा विभाग द्वारा 27 अक्टूबर को जारी आदेश के अनुसार, केशकाल क्षेत्र के सभी शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त प्राथमिक, माध्यमिक, हाईस्कूल और हायर सेकेंडरी विद्यालयों में बुधवार को विद्यार्थियों की छुट्टी रहेगी। जिला प्रशासन ने मौसम की संभावित प्रतिकूल परिस्थितियों को ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया है। बंगाल की खाड़ी में बन रहे चक्रवाती तूफान के कारण अत्यधिक बारिश की संभावना जताई गई है। ऐसे में विद्यार्थियों को स्कूल आने-जाने के दौरान संभावित परेशानियों का सामना न करना पड़े, इसे ध्यान में रखते हुए एक दिन का अवकाश घोषित किया गया है। जारी आदेश के तहत कोण्डागांव जिले के सभी शासकीय, अशासकीय एवं अनुदान प्राप्त विद्यालयों में अवकाश रहेगा। इसमें केशकाल नगर सहित क्षेत्र के ग्रामीण इलाकों के विद्यालय भी शामिल हैं। प्राथमिक शाला से लेकर हायर सेकेंडरी स्तर तक के विद्यार्थियों को 28 अक्टूबर को विद्यालय नहीं जाना होगा।

प्रधानमंत्री मोदी पर टिप्पणी के विरोध में भाजयुमो ने किया प्रदर्शन



कोण्डागांव। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के संबंध में कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा एक कार्यक्रम के दौरान की गई कथित अभद्र टिप्पणी के विरोध में भाजपा युवा मोर्चा, जिला कोंडागांव ने प्रदर्शन किया। इस दौरान युवा मोर्चा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने पुतला दहन कर अपना विरोध दर्ज कराया।

भाजपा युवा मोर्चा के कार्यकर्ताओं ने कहा कि सार्वजनिक जीवन में संवैधानिक पदों पर आसीन व्यक्तियों के प्रति भाषा की मर्यादा बनाए रखना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि राजनीतिक मतभेद अपनी जगह हैं, लेकिन संवाद में शालीनता और पद की गरिमा का ध्यान रखा जाना चाहिए। भाजपा युवा मोर्चा ने इस कथित टिप्पणी को लेकर कड़ा विरोध जताया और राजनीतिक नेतृत्व से सार्वजनिक संवाद में संयम बरतने की अपेक्षा व्यक्त की।

विरोध प्रदर्शन में मनोज जैन, नरपति पटेल, जसकेतु उसेंडी, जितेंद्र सुराना, कुलवंत चहल, जैनेंद्र ठाकुर, लक्ष्मी ध्रुव, विकास दुआ, बंटी नाग, रौनक पटेल, अविनाश सोरी, सुषमा खोबरागड़े, सोनामणि पोयाम, अशोक ब्रह्म, टिंकू साहू, संतोष सिंह, गोविंदा तलवार, अंकित शर्मा, राजा मुखर्जी, मयंक भोंसले, ज्ञानू गोलछा और आकाश दास सहित भाजपा युवा मोर्चा के पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित थे।

बाल संदर्भ शिविरों में बच्चों के स्वास्थ्य और पोषण की हुई जांच



हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

- कुपोषण और एनीमिया की पहचान पर विशेष जोर

जिले में बच्चों के बेहतर स्वास्थ्य एवं पोषण को सुनिश्चित करने के उद्देश्य से महिला एवं बाल विकास विभाग तथा स्वास्थ्य विभाग के संयुक्त तत्वावधान में सभी आंगनबाड़ी सेक्टरों में बाल संदर्भ शिविरों का आयोजन किया गया। शिविरों में बच्चों का स्वास्थ्य परीक्षण कर कुपोषण, एनीमिया, कमजोरी और अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान की गई। इस दौरान जरूरतमंद बच्चों को चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार उपलब्ध कराया गया। साथ ही अभिभावकों को बच्चों के पोषण, स्वच्छता और नियमित स्वास्थ्य जांच के प्रति जागरूक किया गया। बाल संदर्भ शिविरों में आंगनबाड़ी केंद्रों के माध्यम से चिन्हांकित बच्चों को स्वास्थ्य परीक्षण के लिए लाया गया। चिकित्सकों एवं स्वास्थ्य विभाग के विशेषज्ञों ने बच्चों की स्वास्थ्य स्थिति की जांच की। इस दौरान बच्चों के वजन, ऊंचाई, पोषण स्तर एवं शारीरिक विकास का आकलन किया गया। स्वास्थ्य परीक्षण के दौरान बच्चों में कुपोषण, खून की कमी, कमजोरी, कम वजन, कम ऊंचाई तथा अन्य स्वास्थ्य संबंधी समस्याओं की पहचान पर विशेष जोर दिया गया। शिविरों का उद्देश्य बच्चों में स्वास्थ्य समस्याओं का प्रारंभिक अवस्था में पता लगाकर समय पर उपचार सुनिश्चित करना रहा। जांच के दौरान जिन बच्चों में स्वास्थ्य अथवा पोषण संबंधी समस्याएं पाई गईं, उन्हें आवश्यकता के अनुसार चिकित्सकीय परामर्श एवं उपचार प्रदान किया गया। गंभीर अथवा विशेष उपचार की आवश्यकता वाले बच्चों को उच्च स्वास्थ्य संस्थानों में जांच एवं उपचार के लिए संदर्भित किया गया। शिविरों में चिकित्सकों एवं विभागीय अधिकारियों ने अभिभावकों को बच्चों के लिए संतुलित एवं पौष्टिक आहार का महत्व बताया। उन्होंने बच्चों के भोजन में हरी पत्तेदार सब्जियां, दालें, मौसमी फल, दूध और स्थानीय स्तर पर उपलब्ध पौष्टिक खाद्य पदार्थों को शामिल करने की सलाह दी।



धनोरा में RSS का पथ संचलन देशभक्ति के नारों से गूंजा नगर

धनोरा। राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ मंडल धनोरा द्वारा मंगलवार को पथ संचलन निकाला गया। दोपहर में पूर्ण गणवेश में स्वयंसेवकों की टोलियां जब अनुशासित कदमों से निकली तो पूरा नगर भारत माता की जय और वंदे मातरम के नारों से गूंज उठा। हाथों में भगवा ध्वज लिए स्वयंसेवकों ने अनुशासन, सेवा, संस्कार और समरसता का परिचय दिया। मंडल धनोरा के मुख्य मार्गों से होते हुए पथ संचलन का जगह-जगह पुष्प वर्षा कर स्वागत किया गया। नागरिकों ने स्वयंसेवकों का उत्साह बढ़ाया। कार्यक्रम में मंडल कार्यवाह सहित बड़ी संख्या में स्वयंसेवक और नगरवासी उपस्थित रहे।

इरागांव में चला विशेष स्वच्छता अभियान

केशकाल। कलेक्टर नूपुर राशि पन्ना एवं मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. आरके चतुर्वेदी के निर्देशानुसार प्राथमिक केशकाल विधानसभा के अंतर्गत स्वास्थ्य केंद्र इरागांव में स्पेशल कैंपेन-6 के तहत विशेष स्वच्छता अभियान चलाया गया। इस दौरान स्वास्थ्य केंद्र के विभिन्न कक्षों, चिकित्सा उपकरणों एवं बायोमेडिकल वेस्ट के उचित निपटान से संबंधित व्यवस्थाओं की सफाई की गई।

पीएचसी इरागांव के प्रभारी डॉ. राजीव महिलवार के नेतृत्व में स्वास्थ्य केंद्र के अन्य स्टाफ द्वारा अभियान के अंतर्गत निर्धारित दिशा-निर्देशों का पालन करते हुए साफ-सफाई का कार्य किया गया। इसमें बायोमेडिकल वेस्ट प्रबंधन संबंधी गाइडलाइंस के अनुसार कचरे के उचित निपटान तथा स्वच्छता व्यवस्था को दुरुस्त करने पर विशेष ध्यान दिया गया।

अभियान के दौरान शौचालयों की सफाई एवं स्वच्छता चेकलिस्ट के अनुसार व्यवस्थाओं का



निरीक्षण किया गया। इसके साथ ही डीप पिट एवं शार्प पिट में बायोमेडिकल वेस्ट के निपटान से संबंधित व्यवस्थाओं पर ध्यान दिया गया। अस्पताल के ओपीडी, आईपीडी, लेबर रूम, लेबर टेबल, स्लिपर, चिकित्सा उपकरणों और बेड सहित विभिन्न स्थानों की साफ-सफाई की गई।

बिहान योजना में पशु सखियों का तीन दिवसीय आवासीय प्रशिक्षण

कोण्डागांव। राष्ट्रीय ग्रामीण आजीविका मिशन बिहान के अंतर्गत जिले में पशुपालन आधारित आजीविका गतिविधियों को बढ़ावा देने और ग्रामीण पशुपालकों तक तकनीकी सेवाएं पहुंचाने के उद्देश्य से पशु सखियों का तीन दिवसीय जिला स्तरीय आवासीय प्रशिक्षण संचालित किया जा रहा है। प्रशिक्षण के माध्यम से महिला स्व-सहायता समूहों से जुड़ी पशु सखियों को पशुपालन, पशु स्वास्थ्य प्रबंधन, रोगों की पहचान और टीकाकरण से संबंधित तकनीकी एवं व्यावहारिक जानकारी दी जा रही है।

विदित हो कि जिले में वर्तमान में कुल 576 पशु सखियां कार्यरत हैं। इनमें से



अब तक 280 पशु सखियों को प्रशिक्षण प्रदान किया जा चुका है। शेष पशु सखियों को भी चरणबद्ध तरीके से प्रशिक्षित किया जा रहा है, ताकि ग्रामीण क्षेत्रों में पशुपालन संबंधी सेवाओं की उपलब्धता बढ़ाई जा सके। प्रशिक्षण के दौरान राज्य स्तर पर प्रशिक्षित पशु सखी मास्टर ट्रेनरों द्वारा पशुओं के दांतों की संरचना के आधार पर उनकी आयु निर्धारित करने की जानकारी दी जा रही है। इसके साथ ही पशुओं में होने वाली प्रमुख बीमारियों की पहचान, विभिन्न नस्लों की विशेषताओं तथा पशु स्वास्थ्य प्रबंधन के बारे में विस्तार से बताया जा रहा है।

प्रशिक्षण में पशुओं के टीकाकरण की आवश्यकता, प्रक्रिया और रोगों से बचाव के उपायों पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पशु चिकित्सा विभाग के समन्वय से पशु स्वास्थ्य संरक्षण, रोग नियंत्रण तथा पशुपालकों को उपलब्ध कराई जाने वाली विभागीय सेवाओं की जानकारी भी प्रदान की जा रही है।

प्रशिक्षण प्राप्त करने के बाद पशु सखियां अपने कार्यक्षेत्र के गांवों में पशुपालकों से संपर्क स्थापित कर उन्हें पशु स्वास्थ्य और वैज्ञानिक पशुपालन पद्धतियों की जानकारी देंगी। साथ ही टीकाकरण संबंधी गतिविधियों, पशुपालन जागरूकता शिविरों के आयोजन तथा पशु चिकित्सा विभाग की सेवाओं से पशुपालकों को जोड़ने में सहयोग करेंगी।

महज 700 ग्राम वजन के नवजात को मिला नया जीवन

हरिभूमि न्यूज ⏭ कोण्डागांव

- जिला अस्पताल के चिकित्सकों की मेहनत और मां की ममता लाई रंग

जिला अस्पताल में चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों के प्रयासों से महज 700 ग्राम वजन के समय से पहले जन्मे नवजात शिशु को नया जीवन मिला है। गंभीर स्थिति में अस्पताल पहुंचे शिशु का लगातार 62 दिनों तक विशेष उपचार और चिकित्सकीय निगरानी में देखभाल की गई। इस दौरान शिशु का वजन बढ़कर 1.350 किलो हो गया। स्वास्थ्य में सुधार और स्थिति स्थिर होने के बाद 21 अक्टूबर को शिशु को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। नवजात का यह सफल उपचार चिकित्सकों के समर्पण और मां की देखभाल का प्रेरणादायक उदाहरण बना।

विकासखंड विश्रामपुरी के ग्राम सलना छोटे मालगांव निवासी लखमी मरकाम एवं रमेश्वर मरकाम के शिशु का जन्म 21 अगस्त को हुआ था। समय से पहले जन्म लेने के कारण शिशु का वजन मात्र 700 ग्राम था



और उसकी स्थिति गंभीर थी। प्रारंभिक उपचार के बाद बेहतर चिकित्सा सुविधा के लिए शिशु को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र माकड़ी से जिला अस्पताल कोण्डागांव रेफर किया गया। जिला अस्पताल में भर्ती के समय नवजात की हृदय गति 135 प्रति मिनट, ऑक्सीजन संतृप्ति 90 प्रतिशत और शरीर का तापमान 36.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। अत्यंत कम वजन और नाजुक स्वास्थ्य स्थिति को देखते हुए शिशु को विशेष नवजात देखभाल एवं लगातार चिकित्सकीय निगरानी में रखा गया।



खबर संक्षेप

कन्या आश्रम शाला मड़से में साइकिल वितरण



गीदम। कन्या आश्रम शाला मड़से में सरस्वती साइकिल वितरण योजना के तहत साइकिल वितरण कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में ग्राम पंचायत मड़से की सरपंच उर्मिला कश्यप, पंचायत प्रतिनिधि कुम्माराम वेक, एसएमसी अध्यक्ष शिवराम वेक, उपाध्यक्ष पीलूराम वेक की उपस्थिति में 4 छात्राओं को साइकिल वितरित की गई। इस अवसर पर सरपंच ने कहा कि शासन की इस योजना से बालिकाओं को शिक्षा के प्रति प्रोत्साहन मिलेगा और दूरस्थ क्षेत्रों की छात्राएं नियमित रूप से विद्यालय आ सकेंगी। कार्यक्रम में शाला के प्रधान अध्यापक केशव सिंह, टिलेश्वरी नेताम, ओमशरण ध्रुव, रूपेश ध्रुव, आशुतोष शिवहरे, कु. प्रियांशु मिश्रा, ज्योति कड़ती सहित अन्य शिक्षक एवं छात्राएं उपस्थित रहीं।

पटवारियों की हड़ताल से धान खरीदी पर संकट

गीदम। जिला कांग्रेस कमेटी के महामंत्री रविश सुराना ने प्रदेश की भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए पटवारियों की अनिश्चितकालीन हड़ताल पर गहरी चिंता जताई है। सुराना ने कहा कि प्रदेश में 'ट्रिपल इंजन' सरकार के बड़े-बड़े दावे किए जा रहे हैं, लेकिन धरातल पर किसान, कर्मचारी और आम जनता परेशान हैं। सरकार सुशासन के केवल नारे दे रही है, जबकि पटवारी अपनी जायज मांगों और भौतिक सत्यापन मोबाइल ऐप की तकनीकी दिक्कतों को लेकर आंदोलन करने पर मजबूर हैं। धान खरीदी का समय नजदीक है। हड़ताल के कारण भूमि सत्यापन, खसरा रिकॉर्ड और किसान पंजीयन जैसे महत्वपूर्ण राजस्व कार्य ठप हैं। बस्तर जैसे आदिवासी बहुल क्षेत्र के किसानों के लिए यह स्थिति बेहद चिंताजनक है। यदि सरकारी अव्यवस्था के कारण किसानों को उपज बेचने में परेशानी हुई, तो इसकी जिम्मेदारी सरकार की होगी।



बच्चों को बांटी अध्ययन सामग्रियां और ड्राई फ्रूट्स

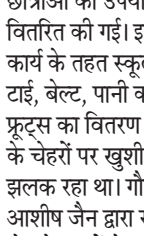


गीदम। समाज सेवा और शिक्षा के प्रति समर्पण का एक बेहतरीन उदाहरण पेश करते हुए, गीदम के प्रतिष्ठित व्यापारी दंपति अनीता जैन और आशीष जैन द्वारा शासकीय प्राथमिक शाला, बड़े सरपंच पारा हाउरनार संकुल-हाउरनार के छात्र-छात्राओं को उपयोगी सामग्रियां वितरित की गई। इस विशेष सेवा कार्य के तहत स्कूल के बच्चों को टाई, बेल्ट, पानी की बोतल और ड्राई फ्रूट्स का वितरण किया गया। बच्चों के चेहरों पर खुशी और उत्साह साफ झलक रहा था। गौरतलब है कि आशीष जैन द्वारा समय-समय पर क्षेत्र के बच्चों के कल्याण के लिए फल, शैक्षणिक सामग्री, और मिठाइयों का वितरण किया जाता रहा है।

निधन

सीमांचल दास

जगदलपुर। भाजपा नगरनार मण्डल के उपाध्यक्ष मारकेल निवासी सीमांचल दास (59) का सोमवार की रात हार्ट अटैक से निधन हो गया। रात लगभग 8 बजे घर में तबीयत बिगड़ने पर महारानी अस्पताल ले जाया गया लेकिन मृत्यु आधे घण्टे पहले हो जाने की बात चिकित्सक ने कही। परिजनों से मिली जानकारी के मुताबिक परिवार के सभी लोग मीना बाजार गए थे। घर में 2 भाई थे। उत्कल समाज के सीमांचल दास सरल स्वभाव के व्यवहारिक थे। उनके आकस्मिक निधन पर पूरे गांव में शोक की स्थिति रही। मंगलवार की सुबह मारकेल के मुक्तिधाम में अंतिम संस्कार किया गया। अंतिम यात्रा में परिजन, समाज के लोग, शहरी और ग्रामीण क्षेत्र के लोग शामिल थे। वे पत्नि, पुत्र-पुत्री, नाती-पौतों का भरापूरा परिवार छोड़ गए।



सोनारपाल में 65 लाख की पानी टंकी अधूरी, पेयजल संकट को लेकर चक्काजाम की चेतावनी

हरिभूमि न्यूज ⏭ घाटलोहंगा

हर घर नल योजना का काम ठप, कांग्रेस प्रदेश सचिव ध्रुव ने सरकारी दावों पर उठाए सवाल

नारायणपुर विधानसभा क्षेत्र के ग्राम पंचायत सोनारपाल में पेयजल समस्या को लेकर ग्रामीण लंबे समय से परेशान हैं। केंद्र सरकार की महत्वाकांक्षी 'हर घर नल, हर घर जल' योजना के तहत घर-घर स्वच्छ पेयजल उपलब्ध कराने का लक्ष्य रखा गया है, लेकिन सोनारपाल में लगभग 65 लाख रुपये की लागत से निर्माणाधीन पानी टंकी का काम अब तक अधूरा है। इसके चलते ग्रामीणों को पानी के लिए भटकना पड़ रहा है।





आंदोलन की चेतावनी

ध्रुव ने प्रशासन को कड़ी चेतावनी देते हुए कहा कि यदि ग्रामीणों की पेयजल समस्या का शीघ्र निराकरण नहीं किया गया और अधूरी टंकी का काम पूरा नहीं हुआ, तो सोनारपाल के ग्रामीणों के साथ मिलकर उग्र आंदोलन और चक्काजाम किया जाएगा। इस दौरान ध्रुव के साथ तुक्का राम पंडा, मालती नेताम, सुखनाथ नेताम सहित बड़ी संख्या में सोनारपाल के महिला एवं पुरुष ग्रामीण उपस्थित रहे। ग्रामीणों का मुख्य सवाल है कि लगभग 65 लाख रुपये की लागत से बन रही पानी टंकी का निर्माण आखिर कब पूरा होगा और उन्हें नियमित पेयजल कब मिलेगा।

इस मामले को लेकर प्रदेश कांग्रेस कमेटी की प्रदेश सचिव श्याम कुमारी ध्रुव ने भाजपा सरकार और प्रशासन पर सवाल उठाए हैं। ध्रुव ने कहा कि जब ग्रामीणों को पर्याप्त पेयजल जैसी बुनियादी सुविधा ही उपलब्ध नहीं हो पा रही है, तो सरकारी योजनाओं का लाभ आम जनता तक कैसे पहुंचेगा? उन्होंने संबंधित विभाग और जिम्मेदार अधिकारियों से मांग की है कि पानी टंकी का निर्माण कार्य जल्द पूरा कराया जाए तथा ग्राम पंचायत सोनारपाल में पेयजल समस्या का स्थायी समाधान सुनिश्चित किया जाए।

कलेक्टर ने समीक्षा बैठक में दिए निर्देश

विकास कार्यों को मिलेगी रफ्तार, चक्रवात से निपटने प्रशासन अलर्ट मोड पर

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

जिले में विकास कार्यों को गति देने और शासकीय योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर कलेक्टर अमित कुमार ने मंगलवार को समय-सीमा की साप्ताहिक समीक्षा बैठक ली। बैठक में विभिन्न विभागों के कार्यों, जनकल्याणकारी योजनाओं की प्रगति और लंबित प्रकरणों की विस्तार से समीक्षा की गई। कलेक्टर ने अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ निर्धारित लक्ष्यों को समय-सीमा में पूरा करने तथा पात्र हितग्राहियों को योजनाओं का लाभ उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। वहीं, अर्नब चक्रवात की आशंका को देखते हुए प्रशासन को सतर्क रहने और संभावित परिस्थितियों से निपटने के लिए आवश्यक तैयारियां सुनिश्चित करने को कहा।

- लंबित प्रकरणों के त्वरित निराकरण और शासकीय योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक पहुंचाने पर जोर

बैठक में कलेक्टर ने स्पष्ट किया कि शासकीय योजनाओं के क्रियान्वयन में अनावश्यक देरी नहीं होनी चाहिए। विभागीय अधिकारी लंबित मामलों का प्राथमिकता से निराकरण करें और विकास कार्यों की नियमित समीक्षा करते हुए प्रगति सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम छोर के पात्र व्यक्ति तक पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है।

अर्नब चक्रवात के पूर्वानुमान को ध्यान में रखते हुए कलेक्टर ने संबंधित विभागों को पूर्व तैयारी रखने के निर्देश दिए। उन्होंने संभावित जोखिमों को देखते हुए समय रहते आवश्यक सतर्कता बरतने, आम नागरिकों तक जरूरी सूचनाएं पहुंचाने और विभागों के बीच बेहतर समन्वय बनाए रखने पर जोर दिया। किसी भी अप्रिय स्थिति से निपटने के लिए संबंधित विभागों को अपनी जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहने और आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए।



निर्माण कार्यों में तेजी लाने पर जोर

कलेक्टर ने जगरगुंडा एजुकेशन सिटी, स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स, लाइब्रेरी और पंचायत कैफे सहित विभिन्न निर्माण कार्यों की समीक्षा करते हुए उनकी प्रगति में तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने संबंधित अधिकारियों से निर्माण कार्यों की नियमित निगरानी करने और गुणवत्ता के साथ निर्धारित समय में कार्य पूरा कराने पर जोर दिया। प्रधानमंत्री आवास योजना के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों की नियमित जियो-टैगिंग करने तथा नियमानुसार हितग्राहियों को किस्तों का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। वहीं, वीबी-जी राम जी योजना के तहत श्रमिकों की संख्या बढ़ाने और प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना में नए पात्र किसानों का पंजीयन कराने को कहा गया। कलेक्टर अमित कुमार ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि विकास कार्यों और जनहितकारी योजनाओं के क्रियान्वयन में गुणवत्ता, पारदर्शिता और समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा जाए। उन्होंने कहा कि प्रशासन का उद्देश्य केवल योजनाओं का संचालन करना नहीं, बल्कि उनका वास्तविक लाभ आम जनता तक पहुंचाना है। इसके लिए सभी विभाग अपनी जिम्मेदारियों का गंभीरता से निर्वहन करें और कार्यों की नियमित समीक्षा करते रहें।

स्वास्थ्य सेवाओं और कुपोषण पर विशेष ध्यान

स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा के दौरान मोतियाबिंद ऑपरेशन, आयुष्मान कार्ड निर्माण, एनक्यूएएस प्रमाणन और टीबी उन्मूलन कार्यक्रम की प्रगति को लेकर आवश्यक निर्देश दिए गए। कलेक्टर ने इन कार्यक्रमों के प्रभावी संचालन के लिए विभागीय स्तर पर तैयारी और कार्यों में तेजी लाने पर जोर दिया। महिला एवं बाल विकास विभाग को आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं और सहायिकाओं के रिक्त पदों पर नियमानुसार भर्ती प्रक्रिया आगे बढ़ाने के निर्देश दिए गए। साथ ही कुपोषित बच्चों की पहचान कर उन्हें आवश्यक पोषण सुविधाएं उपलब्ध कराने और जरूरत के अनुसार पोषण एवं पुनर्वास केंद्रों में भर्ती कराने को कहा गया। बैठक में समन्वय केंद्र के माध्यम से विभिन्न विभागों द्वारा हितग्राहियों से फोन पर संपर्क कर योजनाओं की जानकारी देने तथा सेवाओं की उपलब्धता सुनिश्चित करने की पहल की भी समीक्षा की गई।

सिकलसेल के प्रति ग्रामीणों को किया जागरूक





हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

एसबीआई संजीवनी परियोजना एवं परिवर्तन समाज विकास समिति बस्तर के संयुक्त तत्वावधान में ग्राम बिलौरी स्थित शासकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में सिकल सेल

- बिलौरी के स्कूल में लगा शिविर, 129 लोगों को दी गई बीमारी से बचाव व उपचार की जानकारी

जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। शिविर में विद्यालय के विद्यार्थियों और ग्रामीणों सहित कुल 129 लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य सिकल सेल रोग के प्रति जागरूकता बढ़ाना, समय पर इसकी पहचान करना और उचित उपचार व बचाव के उपायों की जानकारी देना था। संस्था के जिला समन्वयक सूरज पटनायक ने बताया कि सिकल सेल एक आनुवंशिक बीमारी है, जो माता-पिता से बच्चों में पहुँचती है। इससे खून की कमी, थकान, कमजोरी और शरीर में दर्द जैसी समस्याएँ होती हैं। राजेंद्र यदु ने समझाया कि इस रोग की समय पर जाँच, नियमित स्वास्थ्य परीक्षण और चिकित्सकीय सलाह लेना अत्यंत आवश्यक है। प्रभावित व्यक्तियों को पर्याप्त पानी पीने, पौष्टिक आहार लेने और डॉक्टर की सलाह पर ही दवाइयां खाने की हिदायत दी गई।

कार्यक्रम में स्कूल के राजेश जॉन, अजय श्रीवास्तव, नीलमणि टिकरिया, विनीता नाग, सुषमा साहू, प्रतीक्षा दीक्षित और संस्था की ओर से रविन्द्र पोएम, पल्लवी पांडे, सनबारी बघेल व अशोक बघेल उपस्थित रहे।

आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं की हुंकार, नियमितीकरण और मानदेय वृद्धि को लेकर सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ बस्तर

ब्लॉक मुख्यालय के लाल बहादुर शास्त्री खेल मैदान में आंगनबाड़ी कार्यकर्ता-सहायिका संयुक्त मंच के बैनर तले सैकड़ों कर्मियों ने धरना-प्रदर्शन और आमसभा की। वक्ताओं ने कहा कि दिन-रात मेहनत करने के बाद भी वे मूलभूत सुविधाओं से वंचित हैं और अतिरिक्त विभागीय कार्यों के बोझ से मूल काम प्रभावित हो रहा है। सभा के बाद कार्यकर्ताओं ने रैली निकालकर एसडीएम कार्यालय में तहसीलदार को मुख्यमंत्री विष्णु देव साय और महिला एवं बाल विकास मंत्री लक्ष्मी राजवाड़े के नाम ज्ञापन सौंपा। मंच ने पांच प्रमुख मांगें रखी हैं, जिनमें कार्यकर्ताओं-सहायिकाओं का नियमितीकरण करने और नियमित होने तक श्रम कानून के तहत कार्यकर्ता को 30000 व सहायिका को 25500 रुपये मानदेय देने की मांग शामिल है। इसके अलावा कार्यकर्ता को



सुपरवाइजर व सहायिका को कार्यकर्ता पद पर सीधे पदोन्नत करने, समूह बीमा, पेंशन, ग्रेच्युटी, पीएफ का लाभ देने, आकस्मिक मृत्यु पर अनुकंपा नियुक्ति और रिटायरमेंट पर 5 लाख व 3 लाख रुपये का भुगतान करने तथा मध्य प्रदेश की तर्ज पर प्रतिवर्ष 1,000 रुपये मानदेय बढ़ाने की मांग की गई है।

बच्चों को बांटी खेल सामग्री, खेलों के माध्यम से सुदूर अंचल के ग्रामीणों के बीच मजबूत किया विश्वास

हरिभूमि न्यूज ⏭ बीजापुर

बीजापुर पुलिस द्वारा सामुदायिक पुलिसिंग के तहत थाना गंगालूर क्षेत्रांतर्गत ग्राम अंडरी में सिविक

- पुलिस ने अंडरी में लगाया सिविक एक्शन कैंप



एक्शन कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य पुलिस एवं ग्रामीणों के बीच आपसी विश्वास, सहयोग और समन्वय को मजबूत करना रहा। इस दौरान पुलिस अधिकारियों और जवानों ने ग्रामीणों की आवश्यकताओं को समझकर उन्हें आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई।

कार्यक्रम के दौरान ग्रामीणों को उनकी आवश्यकतानुसार रोजमर्रा की उपयोगी सामग्री वितरित की गई। वहीं, बच्चों के मनोरंजन एवं खेलकूद को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से इनडोर गेम्स की खेल सामग्री सहित अन्य आवश्यक वस्तुएं प्रदान की गईं। इस मौके पर विभिन्न रोचक खेलों और मनोरंजक गतिविधियों का भी आयोजन हुआ, जिसमें ग्रामीणों, महिलाओं एवं बच्चों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

जनसेवा और सुरक्षा का संदेश

शिविर में उपस्थित पुलिस अधिकारियों ने ग्रामीणों से सीधा संवाद कर उनकी समस्याओं और बुनियादी आवश्यकताओं की जानकारी ली। अधिकारियों ने कहा कि पुलिस एवं आम नागरिकों के बीच बेहतर तालमेल स्थापित करना और क्षेत्र में शांति, सुरक्षा व आपसी विश्वास का वातावरण मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता है। बीजापुर पुलिस का उद्देश्य केवल कानून-व्यवस्था बनाए रखना ही नहीं, बल्कि जनसेवा और सहभागिता के माध्यम से मजबूत संबंध स्थापित करना है। दूरस्थ ग्रामीण क्षेत्रों में चलाया जा रहा यह सिविक एक्शन कार्यक्रम इसी दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है।

शबरी घाट और मुक्तिधाम मार्ग के लिए 30 लाख स्वीकृत

हरिभूमि न्यूज ⏭ सुकमा

जिला मुख्यालय स्थित शबरी नदी घाट और मुक्तिधाम मार्ग की समस्याओं को लेकर वार्ड क्रमांक 13 की पार्षद श्रीमती कांता राठी द्वारा किए गए प्रयासों को सफलता मिली है। पार्षद व नपा अध्यक्ष हूंगाराम

- पार्षद ने कलेक्टर ,जिला पंचायत सीईओ का जताया आभार

मरकाम के पत्रों पर संज्ञान लेते हुए कलेक्टर अमित कुमार एवं जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री मुकुंद ठाकुर ने संबंधित विकास कार्यों के लिए कुल 30 लाख रुपये की स्वीकृति प्रदान की है। इस स्वीकृति से शबरी घाट पर छठ पूजा के दौरान श्रद्धालुओं की सुविधाएं बढ़ाने के साथ मुक्तिधाम मार्ग के नवीनीकरण का रास्ता भी साफ हुआ है।

पार्षद कांता राठी ने इस संबंध में दिनांक 29 अक्टूबर 2025 तथा दिनांक 16 सितंबर 2026 के माध्यम से प्रशासन का ध्यान आकर्षित किया था। उन्होंने शबरी नदी घाट के विस्तार, छोटी पुलिया के निर्माण, श्रद्धालुओं के आवागमन की सुविधा, घाट के सौंदर्यीकरण तथा मुक्तिधाम मार्ग के नवीनीकरण की आवश्यकता को प्रमुखता से उठाया था। प्रशासन



द्वारा इन मांगों पर त्वरित संज्ञान लेते हुए राशि स्वीकृत किए जाने से क्षेत्रवासियों में विकास कार्यों को लेकर उम्मीद जगी है। इसी मांग को लेकर महिला आयोग की सदस्य सुश्री दीपिका सोरी व नपा अध्यक्ष हूंगाराम मरकाम ने भी अपने स्तर से कलेक्टर को निवेदन किया था।

वर्ष 2025 में आई बाढ़ के दौरान शबरी नदी के तट पर नाले के ऊपर बनी पुलिया बह गई थी। इसके कारण नदी के दूसरी ओर जाने वाले लोगों को आवागमन में परेशानियों का सामना करना पड़ रहा था। विशेषकर मुक्तिधाम आने-जाने वाले लोगों के लिए मार्ग की समस्या गंभीर बनी हुई थी। स्थानीय जरूरतों को देखते हुए पार्षद कांता राठी ने प्रशासन को पत्र लिखकर पुलिया निर्माण और मार्ग सुधार के लिए आवश्यक कदम उठाने का आग्रह किया था।

शबरी नदी का घाट सुकमा शहर सहित आसपास के ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों के लिए आस्था का प्रमुख केंद्र है। छठ महापर्व के दौरान यहां बड़ी संख्या में श्रद्धालु भगवान सूर्यदेव को अर्घ्य देने और पूजा-अर्चना करने पहुंचते हैं। घाट का सीमित क्षेत्रफल, बुनियादी सुविधाओं की कमी और बाढ़ के बाद जमा मिट्टी एवं गंदगी श्रद्धालुओं के लिए परेशानी का कारण बनती रही है।

पार्षद ने एक वर्ष पूर्व व 16 सितंबर 2026 के पत्र में घाट के विस्तार, छोटी पुलिया निर्माण, सौंदर्यीकरण तथा मूलभूत सुविधाओं के विकास के लिए लगभग 30 लाख रूपये स्वीकृत करने हेतु आग्रह किया था।उनका कहना था कि घाट का व्यवस्थित विकास होने से धार्मिक आयोजनों के दौरान भीड़ प्रबंधन और श्रद्धालुओं की सुरक्षा में मदद मिलेगी।

कांता राठी ने विकास कार्यों के लिए राशि स्वीकृत करने पर कलेक्टर अमित कुमार एवं जिला पंचायत सीईओ मुकुंद ठाकुर सांसद प्रतिनिधि अरुण सिंह भदौरिया के प्रति आभार व्यक्त किया है। उन्होंने उम्मीद जताई कि स्वीकृत कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाएगा, ताकि छठ महापर्व के दौरान श्रद्धालुओं को बेहतर सुविधाएं मिल सकें और मुक्तिधाम मार्ग से आवागमन भी सुगम हो सके।

शबरी घाट की साफ सफाई व रोशनी के लिए लिखा पत्र

पार्षद कांता राठी ने मुख्य नगरपालिका अधिकारी नपा सुकमा को पत्र लिख कर आगामी छठ पूजा को देखते हुए शबरी घाट को व्यवस्थित करने हेतु कहा। पार्षद ने बताया कि पिछले दिनों आई बाढ़ के बाद मुक्तिधाम मार्ग व घाट में भारी मात्रा में रेत व मलबा भर गया है जिसके चलते आने वाले दिनों में भारी दिक्कतों का सामना करना पड़ सकता है। पार्षद श्रीमती राठी ने छठ पर्व पर पर्याप्त रोशनी भी करने का अनुरोध किया है।

घाट का किया मुआयना

छठ पर्व को देखते हुए सांसद प्रतिनिधि अरुण सिंह भदौरिया, पार्षद कांता राठी ने घाट स्थल पर पहुंचकर निरीक्षण किया। इस दौरान मिथिला समाज के मोहन शर्मा, दिलीप शर्मा सहित अन्य उपस्थित थे। इस दौरान चर्चा में पार्षद ने कहा कि अगर तकनीकी कारणों से निर्माण कार्य में विलंब भी होता है तो अस्थाई पुलिया बनाया जाएगा जिससे छठ पूजा कार्यक्रम सुचारू ढंग से हो सके।



खबर संक्षेप

इंदिरा वार्ड में नए बोरिंग का काम शुरू वार्डवासियों में खुशी

जगदलपुर। शहर के इंदिरा वार्ड में लगभग 1 माह से बनी पेयजल की गंभीर समस्या के समाधान करते हुए बोरिंग की खुदाई का कार्य शुरू कर दिया गया है। लंबे समय से जल संकट का सामना कर रहे वार्डवासियों को इससे राहत मिलने की उम्मीद जगी है। बोरिंग खुदाई का कार्य प्रारंभ होने पर वार्ड में खुशी का माहौल देखने को मिला। वार्डवासियों ने इस पहल के लिए पार्षद सहित उपस्थित जनप्रतिनिधियों के प्रति आभार व्यक्त किया है। इस अवसर पर पूर्व पार्षद स्वर्गीय अब्दुल रशीद की माता एवं वार्ड के नागरिकों के द्वारा बोरिंग खुदाई के कार्य का शुभारंभ कराया गया। इस दौरान वार्डवासियों ने उम्मीद जताई कि नए बोरिंग के शुरू होने से लंबे समय से बनी पानी की समस्या का जल्द समाधान होगा और उन्हें नियमित पेयजल उपलब्ध हो सकेगा। पार्षद रामकृष्ण तिवारी ने बताया कि इंदिरा वार्ड में पुराना बोरिंग खराब हो जाने के कारण जलापूर्ति व्यवस्था बुरी तरह प्रभावित हो गई थी। इसके चलते वार्डवासियों को पिछले लगभग एक माह से पेयजल की समस्या का सामना करना पड़ रहा था। पानी की नियमित आपूर्ति नहीं होने से लोगों में नाराजगी भी थी। समस्या के समाधान के लिए लगातार नगर निगम में शिकायत की जा रही थी और अधिकारियों का ध्यान आकर्षित कराया जा रहा था। पार्षद ने बताया कि संकट की इस घड़ी में वार्डवासियों को राहत पहुंचाने के लिए नगर निगम के टैंकरों तथा स्थानीय स्तर पर उपलब्ध वैकल्पिक व्यवस्थाओं के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित करने का प्रयास किया जा रहा था, ताकि लोगों को पानी के लिए अधिक परेशानियों का सामना न करना पड़े। बोरिंग खुदाई कार्य के अवसर पर जलप्रदाय समिति के सभापति सुरेश गुप्ता,नेता प्रतिपक्ष राजेश चौधरी,पूर्व पार्षद कनीज फातिमा सहित वार्ड के वरिष्ठ नागरिक दुबे, कृष्ण ठाकुर, सविता, जल प्रदाय शाखा के संदीप, महावीर, बाबू दुबे,लक्ष्मण जाधव, मुन्ना भैया, झाड़ू दादा, लक्ष्मण कश्यप एवं अन्य उपस्थित रहे।





हर्ष फायरिंग और पुष्पवर्षा के बीच मावली माता को दी गई विदाई

डोली और छत्र की विदाई के साथ दशहरा का समापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

ऐतिहासिक बस्तर दशहरा के 75 दिवसीय धार्मिक अनुष्ठानों का मंगलवार को माता मावली की डोली और मां दंतेश्वरी के छत्र की ससम्मान विदाई के साथ विधिवत समापन हो गया। राजमहल परिसर स्थित ऐतिहासिक मां दंतेश्वरी मंदिर में परंपरागत विधि-विधान और मंत्रोच्चार के बीच विशेष पूजा-अर्चना की गई।

- डेढ़ क्विंटल फूलों से सजा विदाई मार्ग, पांच हजार से अधिक पैकेट बूंदी प्रसाद का हुआ वितरण

इसके बाद पुलिस जवानों ने हर्ष फायरिंग कर माता को गरिमामयी सलामी दी। मंगल गीतों, जयकारों और पुष्पवर्षा के बीच माता की विदाई का दृश्य श्रद्धा और भावुकता से भर उठा।

माता की विदाई यात्रा को भव्य और यादगार बनाने के लिए मंदिर परिसर एवं पूरे मार्ग को करीब डेढ़ क्विंटल गेंदे, गुलाब और बासंती फूलों की पंखुड़ियों से आकर्षक रूप से सजाया गया था। सिर पर कलश धारण किए महिलाओं ने मंगल गीत गाकर माता को विदाई दी। वहीं, डोली के प्रस्थान के दौरान श्रद्धालुओं ने जयकारों के साथ गुलाब की पंखुड़ियों की वर्षा कर अपनी अगाध आस्था प्रकट की।

अनेक देवी-देवताओं की उपस्थिति में संपन्न इस विदाई के साथ ही विश्वप्रसिद्ध दशहरा पर्व अपने अगले वर्ष तक के लिए विदा हो गया। इस दौरान राज्य नीति आयोग के उपाध्यक्ष गणेश शंकर मिश्रा, सांसद एवं बस्तर दशहरा समिति के अध्यक्ष महेश कश्यप, समिति के उपाध्यक्ष बलराम मांझी सहित मांझी-चालकी, मेंबर-मेंबरीन और नाईक-पाईक मौजूद रहे। प्रशासनिक अमले से कमिश्नर बस्तर डोमन सिंह, अपर कलेक्टर सीपी बघेल, नगर निगम आयुक्त प्रवीण वर्मा सहित बड़ी संख्या में श्रद्धालु उपस्थित थे।



भेंट की गई विदाई सामग्री, बंटा प्रसाद

विदाई के विशेष अवसर पर श्रद्धालुओं के लिए भारी मात्रा में प्रसाद की व्यवस्था की गई थी। इसके तहत 76 किलो बूंदी और लड्डू से तैयार पांच हजार से अधिक पैकेटों में महाप्रसाद वितरित किया गया। वहीं, विदाई रस्म के पारंपरिक विधान के तहत माता को 25 किलो चावल, 11 किलो दाल, घी, मसाले और श्रृंगार सामग्री भी सप्रेम भेंट की गई।





आकर्षण का केंद्र रही 15 वर्ष पुरानी डोली

इस धार्मिक आयोजन में बेल और सागौन की लकड़ी से निर्मित लगभग 15 वर्ष पुरानी डोली विशेष आकर्षण का केंद्र रही। लगभग 20 किलो वजनी इस ऐतिहासिक डोली में करीब चार किलो चांदी, दोनों ओर चांदी की प्रतिमाएं और 45 चांदी के गुब्बे जड़े हुए हैं। इसकी पारंपरिक बनावट और धार्मिक महत्व श्रद्धालुओं को आकर्षित करता रहा। परंपरा के अनुसार बस्तर राज परिवार के सदस्य कमलचंद्र भंजदेव और श्रद्धालुओं ने इस डोली को अपने कंधों पर उठाकर जिया डेरा तक पहुंचाया, जहाँ से इसे दंतेवाड़ा के लिए रवाना किया गया।

पत्रकारिता की आड़ में कथित वसूली का आरोप सरपंच संघ ने एएसपी को सौंपा ज्ञापन

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर जिले में कथित तौर पर पत्रकारिता की आड़ में सरपंचों से पैसों की मांग और ब्लैकमेलिंग किए जाने का मामला सामने आया है। इस संबंध में जिला सरपंच संघ के प्रतिनिधिमंडल ने एसपी कार्यालय पहुंचे और एएसपी को ज्ञापन सौंपकर मामले की निष्पक्ष जांच और दोषियों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की मांग की।

- व्हाट्सऐप और फोन के माध्यम से स्वयं को पत्रकार बताकर सरपंचों से पैसों की मांग

सरपंच संघ द्वारा सौंपे गए ज्ञापन में आरोप लगाया गया है कि कुछ लोग व्हाट्सऐप और फोन के माध्यम से स्वयं को पत्रकार बताकर सरपंचों से पैसों की मांग करते हैं। पैसे नहीं देने पर झूठे आरोप लगाकर बदनाम करने और परेशान करने की धमकी देने की बात भी ज्ञापन में कही गई है।



सरपंच संघ अध्यक्ष रैदू नाग ने पंचायतों में कराए गए निर्माण कार्यों का हिसाब मांगकर कथित पत्रकारों द्वारा सरपंचों को परेशान किए जाने का आरोप लगाया है। संघ के अनुसार निर्माण कार्यों का मूल्यांकन संबंधित इंजीनियर एवं एसडीओ द्वारा किया जाता है। इसके बावजूद कथित तौर पर कुछ लोगों द्वारा सरपंचों पर दबाव बनाया जा रहा है।

सरपंच संघ के प्रतिनिधिमंडल ने एएसपी को ज्ञापन सौंपते हुए पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराने तथा आरोप सही पाए जाने पर संबंधित व्यक्तियों के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई करने की मांग की। संघ ने पुलिस प्रशासन से मामले को गंभीरता से लेते हुए उचित कार्रवाई करने का आग्रह किया। सरपंच संघ का कहना है कि इस तरह की कथित गतिविधियों से सरपंचों को अपने कार्यों के निर्वहन में परेशानी का सामना करना पड़ रहा है।

सतर्कता जागरूकता सप्ताह शुरू, रेल कर्मचारियों ने ली सत्यनिष्ठा की शपथ



जगदलपुर। सतर्कता जागरूकता सप्ताह के हिस्से के रूप में रायगड़ा रेल मंडल में सत्यनिष्ठा प्रतिज्ञा समारोह का आयोजन किया गया। इस दौरान डीआरएम अमिताभ सिंघल ने रेलवे कर्मचारियों को सत्यनिष्ठा की शपथ दिलाई। उन्होंने कर्मचारियों को अपने आधिकारिक कर्तव्यों के निर्वहन में ईमानदारी, सत्यनिष्ठा, पारदर्शिता और जवाबदेही के प्रति अपनी प्रतिबद्धता को दोहराने के लिए प्रेरित किया।

शपथ ग्रहण समारोह के दौरान कर्मचारियों ने नैतिक कार्यप्रणालियों को बनाए रखने, स्थापित नियमों और विनियमों का कड़ाई से पालन करने और भ्रष्टाचार को समाप्त करने में योगदान देने का संकल्प लिया। प्रतिज्ञा में भ्रष्टाचार से लड़ने और सुशासन को बढ़ावा देने के लिए सरकार, नागरिकों और अन्य हितधारकों द्वारा सामूहिक प्रयासों के महत्व पर जोर दिया गया। सतर्कता जागरूकता सप्ताह का आयोजन सार्वजनिक सेवा में नैतिक आचरण और पारदर्शिता को बढ़ावा देने की प्रतिबद्धता को दशार्ता है। इस पूरे शपथ ग्रहण समारोह का संचालन मंडल कार्मिक अधिकारी दिगंबर पाढ़ी द्वारा किया गया।

नंदपुरा के अमलीगुड़ा पारा में वन भूमि पर कथित अवैध कब्जे का मामला

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

ग्राम नंदपुरा के अमलीगुड़ा पारा, विकासखंड बस्तर में वन भूमि पर कथित अवैध कब्जे एवं वन अधिकार पट्टे की निर्धारित सीमा से अधिक क्षेत्र में खेती किए जाने की शिकायत को लेकर बस्तर अधिकार मुक्ति मोर्चा एवं जनता कांग्रेस छत्तीसगढ़ (जे) के बस्तर ब्लॉक अध्यक्ष बनमाली बघेल के नेतृत्व में वन मंडल अधिकारी को ज्ञापन सौंपा गया। मामले की निष्पक्ष जांच और समयबद्ध कार्रवाई की मांग की गई। ग्रामीणों का आरोप है कि इस समस्या को लेकर पूर्व में भी शिकायत की गई थी, लेकिन अब तक कोई ठोस समाधान सामने नहीं आया है। ग्रामीणों के अनुसार, कुछ लोगों द्वारा वन अधिकार पट्टे में दर्ज भूमि से अधिक क्षेत्र में खेती किए जाने और हर साल खेती का रकबा बढ़ाए जाने की शिकायत है। इससे वन भूमि पर अतिक्रमण बढ़ने की आशंका जताई जा रही है। अधिकारी से मांग की है कि संबंधित भूमि का वन एवं राजस्व अभिलेखों के आधार पर स्थल निरीक्षण और सीमांकन कराया जाए। वन अधिकार पट्टों में दर्ज रकबे का मौके पर वास्तविक खेती के क्षेत्रफल से मिलान किया जाए। यदि जांच में पट्टा सीमा से अधिक अवैध कब्जा प्रमाणित होता है, तो कानूनों के अनुसार उचित कार्रवाई की जाए। 7 दिनों में कार्रवाई नहीं हुई तो धरना-प्रदर्शन किया जाएगा।

- वन मंडल अधिकारी को सौंपा ज्ञापन, 7 दिनों में कार्रवाई नहीं हुई तो धरना प्रदर्शन की चेतावनी



इस दौरान बस्तर ग्रामीण जिला अध्यक्ष संतु कश्यप नरपति बघेल रामदास बघेल तुला कश्यप अंतू कश्यप बुधमन कश्यप लक्ष्मण बघेल मंगलू कश्यप हरेंद्र कश्यप मोहन कश्यप सूरज बघेल योगेंद्र बघेल सुशील कश्यप मंगलू कश्यप व अन्य उपस्थित रहे।

गीदम मार्ग में गिरा आइल, दर्जन भर बाइक चालक हुए घायल

जगदलपुर। गीदम रोड स्थित महेन्द्रा शोरूम के सामने मुख्य मार्ग में मंगलवार शाम सड़क पर फैले आईल की चपेट में आने से दर्जन भर बाईक चालक गिरकर घायल हो गए। इसकी जानकारी मिलते ही मौके पर पहुंचे और रेत डालकर यातायात बहाल किया और वाहनों को दुर्घटनाग्रस्त होने से बचाया। जानकारी के मुताबिक गीदम मार्ग से गुजर रहे भारी वाहन से आईल गिरकर पूरे मार्ग में फैल गया था। बारिश के चलते आईल का पता नहीं होने से मार्ग से गुजर रहे दर्जन भर वाहन दुर्घटनाग्रस्त हो गए और कुछ वाहन चालकों को हल्की चोट भी आई। इस बात का पता लगते ही यातायात डीएसपी जयराम चेरमाको व इंसपेक्टर मधुसूदन नाग के निर्देश पर यातायात एएसआई यतेन्द्र देवांगन दलबल के साथ मोके पर पहुंचे। यातायात अमले द्वारा सर्वप्रथम मार्ग के दोनों ओर से गुजर रहे वाहन चालकों को रोककर उन्हें सतर्कता से चलने कहा गया। इसके उपरांत एएसआई यतेन्द्र देवांगन, कांस्टेबल तुलाराम कश्यप व सिद्धार्थ के साथ पास ही से रेत लाकर इंटरसेप्टर की मदद से सड़क पर फैले आईल के उपर डालना शुरू किया गया। घटें भर की मशक्कत के बाद यातायात अमले द्वारा मार्ग को दुरूस्त कर आवागमन बहाल किया गया। बारिश के बावूजद दुर्घटना रोकने यातायात पुलिस द्वारा कड़ी मेहनत कर रेत डालने का काम किया गया जिससे हो रही दुर्घटनाओं को रोका जा सका।

अब चुप नहीं रहेंगे बच्चे, सुरक्षित बचपन अभियान से जानेंगे अपने अधिकार

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बच्चों को लैंगिक अपराधों और शोषण से बचाने तथा उन्हें अपने कानूनी अधिकारों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण (नाल्सा) द्वारा शुरू किए गए सुरक्षित बचपन अभियान के तहत ग्राम मूली स्थित स्वामी आत्मानंद विद्यालय में जागरूकता शिविर आयोजित किया गया। जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के अध्यक्ष एवं प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश गोविंद कुमार जांगड़े के दिशा-निर्देशन में आयोजित इस शिविर में विद्यार्थियों को बाल संरक्षण और लैंगिक अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम (पॉक्सो) 2012 की विस्तृत जानकारी दी गई। विद्यालय में इस तरह का यह पहला जागरूकता शिविर था। शिविर में मुख्य वक्ता के रूप में सिविल न्यायाधीश (वरिष्ठ श्रेणी) एवं जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव सुश्री अंकिता कश्यप ने कक्षा पांचवीं से 12वीं तक के विद्यार्थियों को संबोधित किया। उन्होंने पॉक्सो अधिनियम के प्रमुख प्रावधानों के साथ बच्चों के अधिकारों, व्यक्तिगत सुरक्षा और गुड टच-बैड टच के बीच अंतर को सरल भाषा में समझाया। उन्होंने कहा कि किसी भी प्रकार का अनुचित व्यवहार या लैंगिक शोषण होने पर बच्चों को डरने अथवा चुप रहने के बजाय अपने अभिभावकों, शिक्षकों या संबंधित प्राधिकरण को तत्काल जानकारी देनी चाहिए। उन्होंने विद्यार्थियों को बताया कि प्रत्येक बच्चे को सुरक्षित वातावरण में रहने, सम्मानपूर्वक जीवन जीने और किसी भी तरह के शोषण से संरक्षण पाने का कानूनी अधिकार है।



कुमार जयदेव ने निभाया वादा, पुजारियों, मांझी-चालकियों, कारीगरों और सहयोगियों का किया सम्मान

रथ निर्माण कारीगरों को मिला 50 हजार और बकरा

हरिभूमि न्यूज ⏭ जगदलपुर

बस्तर दशहरा की ऐतिहासिक परंपराओं को निभाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले रथ निर्माण कारीगरों, पुजारियों, मांझी-चालकियों और दशहरा की व्यवस्थाओं से जुड़े लोगों के सम्मान में बस्तर धाकड़ क्षत्रिय राजपूत समाज के संरक्षक एवं सुकमा जमींदार परिवार के कुमार जयदेव के निवास पर सम्मान समारोह जुहार भेंट कार्यक्रम आयोजित किया गया। दशहरा पर्व के सफल समापन के बाद आयोजित इस कार्यक्रम में कुमार जयदेव ने रथ निर्माण में जुटे पारंपरिक कारीगरों से किया अपना वादा पूरा करते हुए उन्हें 50 हजार और एक बकरा भेंट किया। इसी दौरान दंतेश्वरी मंदिर के प्रधान पुजारी कृष्ण कुमार पाढ़ी ने पुजारी वर्ग के उपेक्षा किए जाने एवं मानदेय में वृद्धि नहीं होने पर शासन-प्रशासन के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए उनके आर्थिक हितों पर भी ध्यान देने की मांग उठाई। रथ निर्माण में झारउमरगांव और बेड़ा उमरगांव के ग्रामीण पीढ़ियों से इस जिम्मेदारी का निर्वहन करते आ रहे हैं। दशहरा के दौरान रथ निर्माण और उससे जुड़ी व्यवस्थाओं में इन कारीगरों की मेहनत और समर्पण का अहम योगदान रहता है। दशहरा पर्व के दौरान रथ निर्माण स्थल सिरहासार में कारीगरों से मुलाकात कर कुमार जयदेव ने वादा किया था जिसे आज पूरा किया। उन्होंने मावली मंदिर में कारीगरों के लिए प्रतिदिन भोजन और नाश्ते की व्यवस्था करने का आश्वासन दिया था। जिसकी व्यवस्था कराई।

- प्रधान पुजारी बोले- मांझी-चालकियों का मानदेय बढ़ाना स्वागत योग्य, पुजारियों के मानदेय पर ध्यान दे सरकार



पुजारियों का मानदेय बढ़ाए सरकार : पाढ़ी

दंतेश्वरी मंदिर के प्रधान पुजारी कृष्ण कुमार पाढ़ी ने मांझी-चालकियों के वेतनमान में वृद्धि के निर्णय का स्वागत किया, लेकिन पुजारी वर्ग के मानदेय में बढ़ोतरी नहीं होने पर नाराजगी जताई। उन्होंने कहा कि मांझी-चालकियों का वेतन बढ़ाना अच्छी बात है और इसका स्वागत किया जाना चाहिए, लेकिन शासन-प्रशासन को पुजारियों की आर्थिक स्थिति और उनकी आवश्यकताओं पर भी ध्यान देना चाहिए।उन्होंने कहा कि पुजारी वर्ग दिनभर भगवान की सेवा और दर्शन के लिए आने वाले श्रद्धालुओं की धार्मिक आवश्यकताओं के निर्वहन में लगा रहता है। इसके बावजूद पुजारियों को मात्र 3,200 रुपये प्रतिमाह मानदेय मिलता है, जो वर्तमान महंगाई के दौर में बेहद कम है। इतनी कम राशि में परिवार का भरण-पोषण करना आसान नहीं है। उन्होंने कहा कि जब शासन-प्रशासन मांझी-चालकियों के वेतनमान में वृद्धि की दिशा में कदम उठा रहा है, तो पुजारियों के मानदेय में भी बढ़ोतरी पर विचार किया जाना चाहिए। उन्होंने इस बात पर असंतोष जताया कि पुजारी वर्ग की समस्याओं और आर्थिक जरूरतों पर अपेक्षित ध्यान नहीं दिया जा रहा है। उनके अनुसार, धार्मिक परंपराओं के निर्वहन में पुजारियों की भूमिका भी अत्यंत महत्वपूर्ण है, इसलिए उनके सम्मान और आर्थिक सुरक्षा को भी प्राथमिकता मिलनी चाहिए।

दशहरा की परंपराओं के संवाहकों का हुआ सम्मान

समारोह में जगदलपुर और दंतेवाड़ा सहित विभिन्न क्षेत्रों से पहुंचे पुजारी, मांझी-चालकी, दशहरा की धार्मिक एवं पारंपरिक व्यवस्थाओं से जुड़े प्रतिनिधि तथा बस्तर धाकड़ क्षत्रिय राजपूत समाज के सदस्य बड़ी संख्या में उपस्थित रहे। इस अवसर पर पत्रकारों का भी सम्मान किया गया। कुमार जयदेव सहित कार्यक्रम में पुजारी जिया बाबा, विजीत देव सहित मावली और जगन्नाथ मंदिर के पुजारी समेत दशहरा पर्व में योगदान देने सेवाभावी लोग भी मौजूद रहे।

